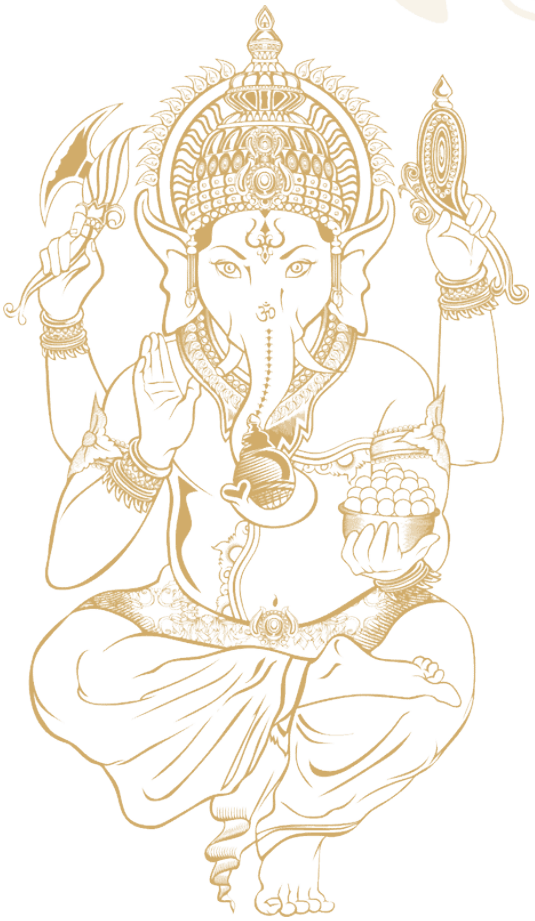

S

G

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121075003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28-29/06/2007	जन्म तिथि	07/02/2009
गुरु-शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 05:02:00	जन्म समय	21:35:00 घंटे
घटी 59:03:33	जन्म समय(घटी)	36:16:30 घटी
India	देश	India
Dadri	स्थान	Bulandshahr
28:33:00 उत्तर	अक्षांश	28:30:00 उत्तर
77:33:00 पूर्व	रेखांश	77:49:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48	स्थानिक संस्कार	-00:18:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:34	सूर्योदय	07:03:15
19:21:15	सूर्यास्त	18:02:50
23:57:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:59:18

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 5मा 13दि		06:50:21	मिथु	लग्न	कन्या	12:09:52	गुरु 6वर्ष 2मा 1दि	
शुक्र		12:55:42	मिथु	सूर्य	मक	25:02:02	शनि	
11/12/2021		24:09:14	वृश्चि	चंद्र	मिथु	28:11:28	11/04/2015	
11/12/2041		08:59:19	मेष	मंगल	मक	08:20:22	11/04/2034	
शुक्र	11/04/2025	12:36:51	मिथु व	बुध	धनु	29:59:15	शनि	14/04/2018
सूर्य	12/04/2026	18:10:57	वृश्चि व	गुरु	मक	13:47:19	बुध	22/12/2020
चन्द्र	11/12/2027	26:30:16	कर्क	शुक्र	मीन	09:36:34	केतु	31/01/2022
मंगल	10/02/2029	28:08:47	कर्क	शनि व	सिंह	26:32:11	शुक्र	02/04/2025
राहु	10/02/2032	15:06:49	कुंभ व	राहु	मक	15:18:35	सूर्य	15/03/2026
गुरु	11/10/2034	15:06:49	सिंह व	केतु	कर्क	15:18:35	चन्द्र	14/10/2027
शनि	11/12/2037	24:43:04	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	26:46:50	मंगल	22/11/2028
बुध	11/10/2040	27:45:30	मक व	नेप	मक	29:45:51	राहु	29/09/2031
केतु	11/12/2041	03:25:39	धनु व	प्लूटो	धनु	08:30:05	गुरु	11/04/2034

लग्न-चलित

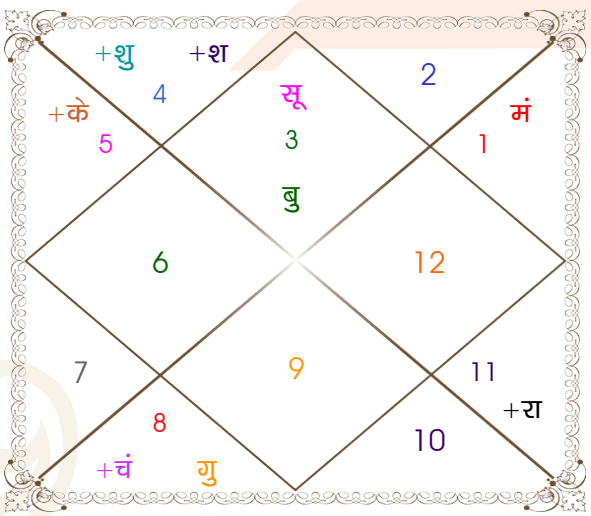

लग्न-चलित

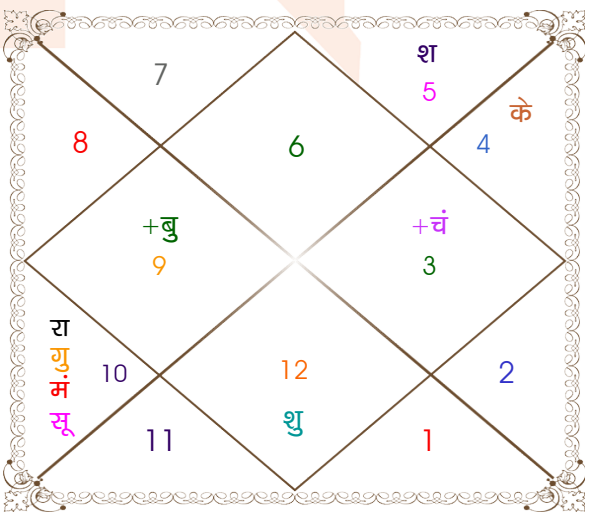

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	7.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ै का वर्ग मृग है तथा ळ का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारै और ळ का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ै मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

ळ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

ै तथा ळ में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।